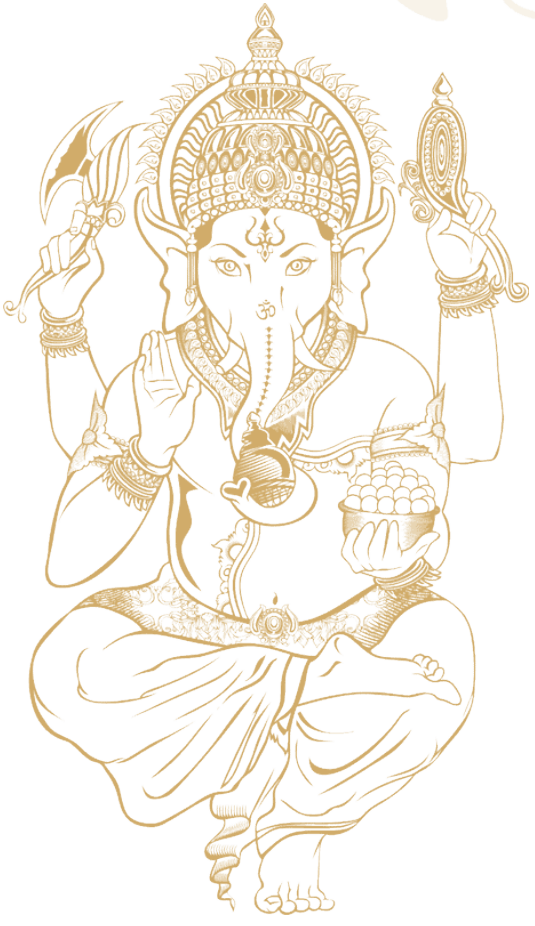

Vaibhav Jain

05 Jul 2013

02:08 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121195504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/07/2013**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:08:00 घंटे**
इष्ट	21:38:46 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:46:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	08:40:53 घंटे
सूर्योदय	05:28:29 घंटे
सूर्यास्त	19:22:42 घंटे
दिनमान	13:54:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:26:34 मिथुन
लग्न के अंश	11:04:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:04:57	310:28:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मिथु	19:26:34	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	सम राशि
चंद्र			वृष	17:26:42	11:49:32	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	00:22:08	00:41:04	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	26:21:33	00:33:30	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	स्वराशि
गुरु			मिथु	08:04:08	00:13:37	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	15:13:35	01:12:40	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		तुला	10:46:32	00:00:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	21:22:29	00:04:19	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:22:29	00:04:19	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मीन	18:24:38	00:00:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व		कुंभ	11:07:10	00:00:51	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	16:09:28	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	13:45:52	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:57

लग्न-चलित

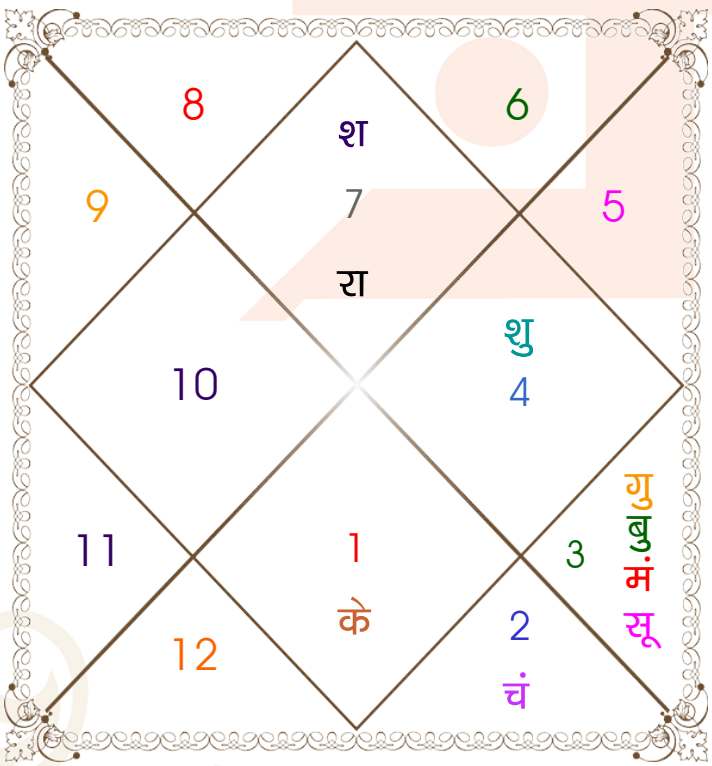

चन्द्र कुंडली

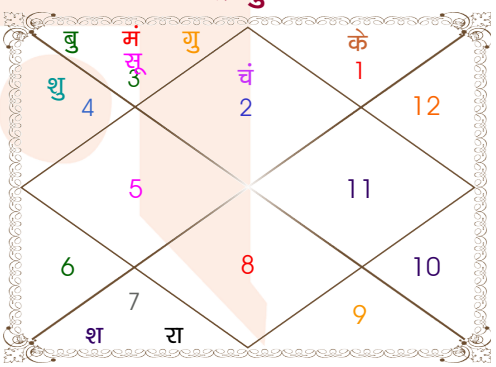

नवमांश कुंडली

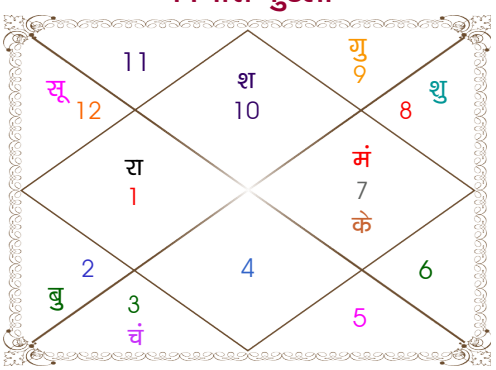

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 4 मास 30 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/07/2013		04/12/2017		04/12/2024		04/12/2042		04/12/2058	
04/12/2017		04/12/2024		04/12/2042		04/12/2058		04/12/2077	
	00/00/0000	मंगल	02/05/2018	राहु	17/08/2027	गुरु	22/01/2045	शनि	07/12/2061
	00/00/0000	राहु	21/05/2019	गुरु	10/01/2030	शनि	05/08/2047	बुध	16/08/2064
	00/00/0000	गुरु	26/04/2020	शनि	16/11/2032	बुध	10/11/2049	केतु	25/09/2065
	05/07/2013	शनि	05/06/2021	बुध	05/06/2035	केतु	17/10/2050	शुक्र	25/11/2068
शनि	04/10/2013	बुध	02/06/2022	केतु	23/06/2036	शुक्र	17/06/2053	सूर्य	07/11/2069
बुध	06/03/2015	केतु	29/10/2022	शुक्र	23/06/2039	सूर्य	05/04/2054	चंद्र	08/06/2071
केतु	05/10/2015	शुक्र	29/12/2023	सूर्य	17/05/2040	चंद्र	05/08/2055	मंगल	17/07/2072
शुक्र	05/06/2017	सूर्य	05/05/2024	चंद्र	16/11/2041	मंगल	11/07/2056	राहु	24/05/2075
सूर्य	04/12/2017	चंद्र	04/12/2024	मंगल	04/12/2042	राहु	04/12/2058	गुरु	04/12/2077

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/12/2077		04/12/2094		05/12/2101		05/12/2121		06/12/2127	
04/12/2094		05/12/2101		05/12/2121		06/12/2127		00/00/0000	
बुध	02/05/2080	केतु	03/05/2095	शुक्र	06/04/2105	सूर्य	25/03/2122	चंद्र	05/10/2128
केतु	29/04/2081	शुक्र	02/07/2096	सूर्य	06/04/2106	चंद्र	23/09/2122	मंगल	06/05/2129
शुक्र	28/02/2084	सूर्य	06/11/2096	चंद्र	06/12/2107	मंगल	29/01/2123	राहु	05/11/2130
सूर्य	03/01/2085	चंद्र	08/06/2097	मंगल	04/02/2109	राहु	24/12/2123	गुरु	06/03/2132
चंद्र	05/06/2086	मंगल	04/11/2097	राहु	05/02/2112	गुरु	11/10/2124	शनि	06/07/2133
मंगल	02/06/2087	राहु	22/11/2098	गुरु	06/10/2114	शनि	23/09/2125		00/00/0000
राहु	19/12/2089	गुरु	29/10/2099	शनि	05/12/2117	बुध	31/07/2126		00/00/0000
गुरु	26/03/2092	शनि	08/12/2100	बुध	05/10/2120	केतु	05/12/2126		00/00/0000
शनि	04/12/2094	बुध	05/12/2101	केतु	05/12/2121	शुक्र	06/12/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 5 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।